हरिभूमि
# जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 18 मई 2025

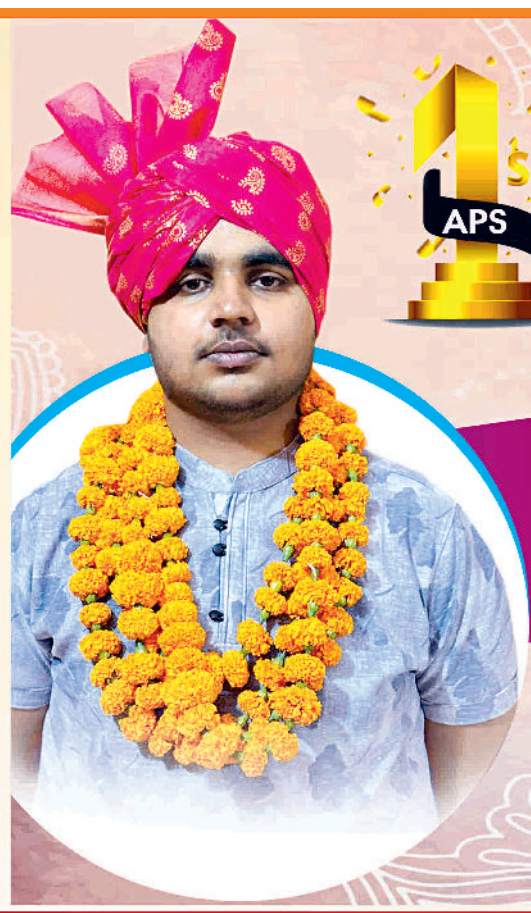

तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

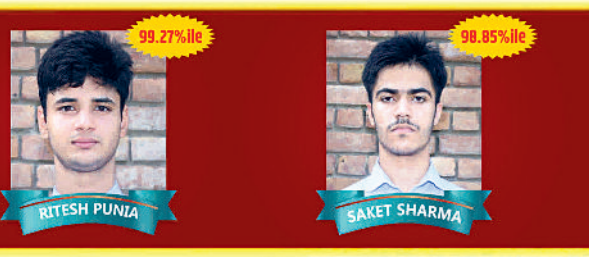

10 सुप्रीम स्कूल की दिशिता ने रचा इतिहास



10 सफीदों में निकाली तिरंगा यात्रा

## खबर संक्षेप

### रंजिशन हमला करने पर तीन नामजद

जींद। गांव डूमरखां कलां में रंजिशन हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।
गांव डूमरखां कलां निवासी गौरव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके चाचा हरदेवा से रवि परिवार की रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते रवि तथा उसके परिजनों ने हमला कर घायल कर दिया।

### दुकान से 17 हजार की नकदी व मोबाइल चोरी

जींद। बीरबल नगर नरवाना में चोरों ने स्वीट्स की दुकान से 17 हजार रुपये की नगदी तथा मोबाइल फोन को चोरी कर लिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुराना बाजार निवासी रविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बीरबल नगर में स्वीट्स की दुकान है। उसका भाई चाय देने के लिए कुछ दूरी पर चला गया था।

### विद्यालय के लिए निकली लड़की लापता, केस दर्ज

जींद। गांव लिजवाना कलां में घर से स्कूल जाने की बात कह कर निकली लड़की के गायब होने पर जुलाना थाना पुलिस अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
गांव लिजवाना कलां निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से स्कूल के लिए निकली थी। जिसके बाद वह घर वापस नही लौटी।

### नाबालिगा से अश्लील हरकत, मामला दर्ज

जींद। रेहड़ी मार्केट में नाबालिगा लड़की से अश्लील हरकत करने पर शहर थाना पुलिस ने व्यक्ति के खिलाफ अश्लील हरकत करने, चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर थाना इलाके के व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी देवीलाल चौक के निकट रेहड़ी मार्केट में सब्जी खरीद रही थी।

### छह किसानों के ट्यूबवैलों से बिजली की केबल चोरी

जींद। गांव घोघड़िया में बीती रात चोरों ने छह किसानों के ट्यूबवैलों से कीमती बिजली केबल को चोरी कर लिया। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घोघडिया निवासी सुरेश ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खेत से बिजली की कीमती केबल को चोरी कर लिया।

### दंपती पर हमला करने पर 4 के खिलाफ केस

जींद। गांव डाहौला में रंजिशन दंपत्ति पर हमला कर घायल करने पर अलेवा थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव डाहौला निवासी रिषी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेत में अपनी के पत्नी के साथ कूंडी का कूप बांध रहा था। उसी दौरान सुगन व उसके परिजन वहां पर आए और दोनों पर हमला कर दिया। जिसमें दोनों को काफी चोटें आई है।

### जींद: रैडक्रास भवन में रक्तदान शिविर 20 को

जींद। जिला रैडक्रास भवन में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी जींद और युवा विकास समिति द्वारा 20 मई को एक स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। युवा विकास समिति जींद के अध्यक्ष व जिला युवा पुरस्कार विजेता प्रदीप रेढू ने बताया कि इस कार्यक्रममें युवाओं को बढ़.चढ़कर भाग लेना चाहिएए क्योंकि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।

### बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

जींद। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते हैं। पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर आवेदन किए जा सकते हैं।

## नशे के लिए सिरिंज का प्रयोग करने वालों में बढ़ रही एचआईवी

# जिले में एचआईवी के 2700 मरीज रजिस्टर्ड, सिर्फ जागरूकता बचाव

### *जिले में एचआईवी से अबतक 150 लोगों की जा चुकी जान*

एचआईवी पीड़ित दंपती नियमानुसार दवाई लें तो संतान के स्वस्थ होने की ज्यादा उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला की बात की जाए तो स्वास्थ्य विभाग के पास कुल एचआईवी के 2700 मरीज रजिस्टर्ड हैं। इनमें सेक्स वर्कर महिलाएं नशे के लिए इंजेक्शन का प्रयोग करने वालों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा 55 बच्चों को भी एचआईवी है। यह दंपति में एचआईवी होने के कारण बच्चों में हुआ है। इसको रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। बाकायदा स्वास्थ्य विभाग की टीमें गली, मोहल्लों, ईंट भट्टों पर जागरूकता अभियान चलाती हैं। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि जिले में एचआईवी के संक्रमण को रोका जा सके। इसके लिए स्कूल कॉलेज व अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर कार्यक्रम भी करवाए जा रहे हैं। सिरिंज के माध्यम से नशा करने वाले युवाओं में एड्स का प्रकोप ज्यादा जिले में सिरिंज के माध्यम से नशा करने वाले युवाओं में इसका प्रकोप ज्यादा हुआ है। जिले में एचआईवी से अबतक 150 लोगों की मौत हो चुकी हैं। एचआईवी की नियमित रुप से दवाई का प्रयोग करने से मनुष्य लंबे समय तक ठीक रह सकता है। इसके अलावा जो पीड़ित दवाई का सेवन करना बंद कर देता है। वह बीमारियों की चपेट में जल्दी आता है।

### एड्स को रोकने के लिए विभाग प्रयासरत

एड्स व क्षय रोग जिला नोडल अधिकारी डा. जेके मान ने बताया कि अब तक जिले में 2700 के लगभग एचआईवी से संक्रमित हैं। गर्भ में पल रहे बच्चे को नियमित रुप से दवाई का प्रयोग करने से एचआईवी से बचाया जा सकता है। प्रत्येक रोगी को दवाई का सेवन नियमित रुप से करना चाहिए।

### ये हैं एड्स के लक्षण

एड्स के लक्षणों में बुखार, जोड़ों का दर्द, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश, सूजी हुई ग्रंथियां, पसीना आना, शरीर पर लाल चकते और थकान शामिल हैं। एचआईवी खून, वीर्य, वेजाइनल डिस्चार्ज, एनल फ्लूड और ब्रेस्ट मिल्क के जरिये फैलता है। यह वायरस असुरक्षित यौन संबंध और एचआईवी संक्रमित खून से दूषित सुई या सीरिंज शेयर करने से फैलता है। यह बीमारी गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान एचआईवी संक्रमित मां से बच्चे में भी फैलता है।

### सही समय पर इलाज जरूरी

एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण मृत्यु भी हो जाती है। एचआईवी से पीड़ितों की संख्या 25 से 45 आयुवर्ग में ज्यादा है। इसका प्रभाव कम करने के लिए दिन में एक गोली लेनी होती है। यह वायरस शरीर के इम्यून सिस्टम पर हमला करता है और सीडी 4 सेल्स को निशाना बनाता है, जो संक्रमण और बीमारियों से लडने के लिए जरूरी हैं। एड्स का निदान तब किया जाता है, जब एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति की इम्यूनिटी गंभीर रूप से कमजोर हो जाती है। सही समय पर इलाज न किए जाने पर यह जीवन के लिए खतरा बन सकता है।

### स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया सीवाई टीबी टेस्ट

जींद। जिला को टीबी मुक्त करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। पिछले दिन स्वास्थ्य पखवाड़े के तहत गांव-गांव व शहर-शहर जाकर टीबी जांच शिविर आयोजित किए गए थे। अब तक जिले में टीबी के 1991 मरीज उपचाराधीन हैं। इनमें से एक हजार के मरीज सामाजिक संस्थाओं व सरकारी विभागों ने गोद लिया हुआ है। अब टीबी की समय से पहले पहचान करने के लिए जिले में सीवाई टीबी की जांच शुरू की है।
स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया सीवाई टीबी टेस्ट जिले में टीबी का भविष्य में कोई मरीज नहीं मिले और शुरूआत लक्षणों में जिन मरीजों की रिपोर्ट सही नहीं मिलती थी। उनके लिए अब स्वास्थ्य विभाग ने जिला नागरिक अस्पताल व खंड के नागरिक अस्पतालों में सीवाई टीबी की जांच शुरू की है। इसमें हाई रिस्क वाले लोगों में कोई टीबी संक्रमित तो नही, इसका पता लगेगा। 48 से 72 घंटे बाद पांच एमएम से ज्यादा का इंडयूरेशन टीबी संक्रमण माना जाएगा। टीबी संक्रमण की आधुनिकतम जांच विधि सीवाई.टीबी को फोरआर्म में 0.1 एमएल इंट्राडर्मल लगाया जाएगा। संक्रमण पाए जाने पर संबंधित के अन्य टेस्ट कराकर टीबी का इलाज कर मरीज को ठीक किया जाएगा।

## सुप्रीम स्कूल की दिशिता ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। दिशित को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल जींद की छात्रा दिशिता ने 12वीं कक्षा में मेडिकल स्ट्रीम में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में टॉप किया है। इसके अलावा दिशिता ने जेईई मेन परीक्षा में 98.47 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। दिशिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने संघर्ष और कड़ी मेहनत को दिया। बताया कि जीवन में परिस्थितियां अनुकूल नही थी लेकिन उन्होंने किताबों को अपना सहारा बनाया और उन्हें अपना दोस्त बना लिया। दिशिता ने कहा कि संघर्ष के बिना कुछ भी प्राप्त नहीं होता है। जिसने संघर्ष किया है उसी ने सफलता को हासिल किया है। विद्यालय के प्राचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने दिशिता की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत कभी भी व्यर्थ नही जाती है। एक ना एक दिन काम आती है और उसका फल जरूर मिलता है। यदि हमें जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल करना हो तो हमें बहुत मेहनत करनी पड़ेगी तथा सब का साथ भी आवश्यक रूप से लेना पड़ेगा। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक और निदेशक शरत अत्री ने दिशिता को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दिशिता की इस उपलब्धि ने विद्यालय का नाम रोशन किया है।

जुलाना। बराड़ खेड़ा गांव में तिरंगा यात्रा निकालते भाजपा कार्यकर्ता।

### सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

जुलाना। बराड़खेड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा के मुख्य संयोजक और भाजपा नेता कैप्टन योगेश बैरागी ने ग्रामीणों को संबोधित करते कहा कि हमारे देश की वीर सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत सरकार ने मिल कर पाक को उसकी नापाक और कायर हरकतों की वजह से सबक सिखाया है। दुश्मन देश पर हिंदुस्तान की नैतिक जीत को हम देशभक्त पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाल कर सैलिब्रेट कर रहे हैं। भारत के नागरिकों पर आतंकियों द्वारा किए गए हमले के बाद देश के नाम पर सभी वर्ग और समुदाय के लोग एकजुट हैं। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि हमें हमारे वीर सैनिकों और शहीदों का पूरा मान सम्मान करना चाहिए। क्योंकि उन्हीं के बलिदान के बदौलत हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

### बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर महिलाओं को दिलाई शपथ

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अंतर्गत बरसोला गांव में एक सभा का आयोजन किया। इसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई। पीएनडीटी एक्ट की जानकारी से अवगत करवाया। एएनएम पूजा ने जागरूक करते हुए कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना बालिकाओं को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए बनाई गई योजना है। योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना, बालिकाओं को शोषण से बचाना व उन्हें सही.गलत के बारे में अवगत कराना।ए शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सामाजिक और वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाना, लोगों को इसके प्रति जागरूक करना एवं महिलाओं के लिए कल्याणकारी सेवाएं वितरित करने में सुधार करना, लिंग अनुपात में सुधार करनाए महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को रोकना, बेटियों के अस्तित्व को बचाना एवं उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

### गोशाला में जली हजारों क्विंटल पराली

जुलाना। जुलाना कस्बे की गौ रक्षानंद गौशाला में शनिवार दोपहर बाद अचानक अज्ञात कारणों से गौशाला में रखी पराली में आग लग गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक लाखों रूपये की पराली जलकर राख हो चुकी थी। शनिवार को जुलाना की गौर रक्षानंद गौशाला में रखी पराली में उठता हुआ धुआं दिखाई दिया तो इसकी सूचना फायर ब्रिगेड का दी गई। सूचना पाकर कर्मचारी मौके पर पहुंचे लेकिन आग भयंकर होने के कारण आग पर काबू नही पाया गया। गाड़ी का पानी खत्म होने पर फिर से पानी भरकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया लेकिन आग पर काबू नही पाया जा सका। जींद से दो गाडियां और मंगवाई गई।

जींद। सरोज को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### प्रदेश में टॉप सरोज को सम्मानित किया

जींद। सरोज टंडन पुत्री परमजीत टंडन ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की बारहवीं कक्षा (कला संकाय) में 500 में से 494 अंक लेकर पूरे हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। डा. बीआर अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी जींद के प्रधान राजेश पहलवान ने उसे मोमेंटो और शाल देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत मुख्याध्यापक दलबीर ने जानकारी देते हुए बताया कि सरोज टंडन के पिता एक बहुत ही गरीब आदमी और पटियाला चौक राजनगर जींद में रहते हैं। सरोज टंडन दिन में कई कई घंटे पढ़ाई करती थी व मोबाइल से हमेशा दूर रही और दिन-रात मेहनत करके यह मुकाम हासिल किया है। हमें ऐसे होनहार बच्चों पर बहुत गर्व है। इस से दूसरे बच्चे भी प्रोत्साहित होंगे। इस अवसर पर सरोज टंडन, परमजीत टंडन, उप प्रधान कमल, उप प्रधान महेंद्रपाल बीबीयान, पूर्व उपप्रधान श्रीराम बीबियान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

### तीन दिन का दिया अल्टीमेटम

जुलाना। जुलाना कस्बे में पुलिस ने ट्रैक्टरों पर लगाए गए साउंड सिस्टम को उतरवाने के लिए अभियान चलाया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर चालक अपने ट्रैक्टर पर लाखों का साउंड सिस्टम तो लगवा लेते हैं लेकिन इसी साउंड सिस्टम के कारण आमजन को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ता है। स्कूल के पास से जब तेज ध्वनि के साथ ट्रैक्टर गुजरता है तो बच्चों की पढ़ाई भी बाधित होती है। ट्रैक्टर पर साउंड सिस्टम लगवाना गैर कानूनी है। चालकों को निर्देश दिए गए हैं कि तीन दिन तक सभी अपने वाहनों से साउंड सिस्टम हटवा लें अन्यथा तीन दिन के बाद पुलिस सख्त कार्यवाही करेगी और ट्रैक्टर चालकों के चालान भी काटे जाएंगे। बाजार में तेज आवाज में सब्जी वाले और ट्रैक्टर चालक अगर तेज आवाज में साउंड सिस्टम चलाते हैं।

जींद। चर्चा में भाग लेते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### विभिन्न विषयों पर चर्चात्मक बैठक का आयोजन

जींद। विद्या भारती एवं हिन्दू शिक्षा समिति से सम्बद्ध गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय जींद में 25 से 27 मई को पट्टी कल्याणा समालखा पानीपत में आयोजित होने वाले प्रांतीय आचार्य सम्मेलन में भाग लेने वाले आचार्य बंधु भगिनी की पूर्व तैयारियों पर चर्चा करने हेतु सामूहिक बैठक का आयोजन किया । बैठक में श्रीमद्भगवद्गीता विद्यालय कुरुक्षेत्र के डायरेक्टर अनिल कुलश्रेष्ठ, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ आचार्य संतोष, श्रीमद्भगवत गीता विद्यालय कुरुक्षेत्र के प्रधानाचार्य अनिल मदान व प्रधानाचार्य अजय कौशिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। अनिल कुलश्रेष्ठ द्वारा उद्दीप्त विवरणिका पर प्रकाश डालते हुए आचार्य सम्मेलन में आचार्यों की पूर्ण उपस्थिति के लिए आग्रह किया गया।उन्होंने कहा कि यह आचार्य सम्मेलन सभी आचार्यों के बौद्धिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

जींद। ट्रैक्टरों से साउंड सिस्टम हटवाते पुलिस। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। आग पर काबू पाते फायरकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

सफीदों। हवन में आहुति डालते स्वामी मुक्तानंद भिक्षु महाराज। *फोटो :हरिभूमि*

### गीता का स्वाध्याय जरूरी: मुक्तानंद

सफीदों। श्री गीता मंदिर सभा के तत्वावधान में नगर के गीता मंदिर में चल रहे रास लीला उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर स्वामी मुक्तानंद भिक्षु महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सुबह विशाल हवन किया गया। स्वामी मुक्तानंद भिक्षु महाराज ने गीता जी के 18 अध्यायों के 700 श्लोकों के उच्चारण के साथ हवन में श्रद्धालुओं की आहुतियां डलवाई। उसके उपरांत अटूट भंडारा लगाया गया। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए स्वामी मुक्तानंद भिक्षु महाराज ने कहा कि गीता जी के 18 अध्यायों के 700 श्लोकों का बड़ा महत्व है। गीता जी के संदेश मनुष्य को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। गीता में कर्म, भक्ति, ज्ञान और त्याग के महत्व को गहनता से बताया गया है।

# सफीदों में निकाली तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

सफीदों में शनिवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा की अगुवाई विधायक रामकुमार गौत्तम ने की। यात्रा का शुभारंभ नगर के ऐतिहासिक नागक्षेत्र सरोवर प्रांगण से किया गया। यह यात्रा नगर के विभिन्न बाजारों से होकर निकली और उसका रेलवे रोड़ स्थित विश्राम गृह में आकर समापन हो गया। इस तिरंगा यात्रा में महिलाओं व युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने यात्रा के दौरान भारत माता की जय के गगनभेदी नारे लगाए। अपने संबोधन में विधायक रामकुमार गौत्तम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकियों के हमलों का ऑपरेशन सिंदूर चलाकर भारतीय सेना के वीर जवानों ने पाक के घर में घुसकर कई आतंकी अड्डों का सफाया किया। इसके बाद पाकिस्तान के हमलों का ऐसा मुंहतोड़ जबाव दिया कि पाकिस्तान कहरा उठा और रहम की भीख मांगने को मजबूर हो गया। इस सैन्य अभियान ने भारत की संप्रभुता, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। यह तिरंगा यात्रा उन रणबांकुरों को समर्पित है जिन्होंने भारत माता की आन-बान-शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

सफीदों। तिरंगा यात्रा के साथ चलते विधायक रामकुमार गौत्तम।

जींद। रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### पच्चीस युवाओं ने किया रक्तदान

जींद। हुडा ग्राऊंड स्थित फन फेयर मेले में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर भाजपा युवा नेता रूद्राक्ष मिड्ढा, नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, सीटीएम आशीष देशवाल, डा. शिप्रा ने शिरकत की। शिविर में 25 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा युवा नेता रूद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। क्योंकि हमारे द्वारा दिया गया रक्त न जाने किसकी जान बचाए, यह हमे भी मालूम नही होता है। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि रक्तदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां आज भी लोगों में है। ऐसे में लोगों को इन भ्रांतियों से दूर रहना चाहिए। रक्तदान करने से न तो शरीर में किसी तरह की कोई कमजोरी आती है और न ही कोई दर्द होता है।

## लगभग चार एकड़ में पार्क को मिलेगा आधुनिक रूप

# जयंती देवी पार्क सौंदर्यीकरण का शिलान्यास

- एक करोड़ 14 लाख से जयंती देवी पार्क का होगा सौंदर्यीकरण : मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के प्राचीनतम जयंती देवी मंदिर के बाहर पार्क को नया रूप दिया जाएगा। इसके लिए हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के प्रयासों से एक करोड़ 14 लाख रुपये से पार्क का सौंदर्यकरण होगा। शनिवार को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने जयंती देवी मंदिर पार्क के सौंदर्यकरण का शिलान्यास किया। जल्द ही शहर को एक और आधुनिक पार्क मिल सकेगा।
गौरतलब है कि पटियाला चौक क्षेत्र के लोग डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा से मिले थे और कहा कि अगर हांसी ब्रांच नहर के पास जयंती देवी मंदिर के बाहर पार्क बनाया जाए तो लोगों को बैठने, सैर व घूमने की सुविधा हो जाएगी। वहीं मान्यता है कि जींद का नाम ही जयंती देवी से पड़ा है। यह मंदिर जींद के लिए ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखता है। लोगों की मांग पर डिप्टी स्पीकर ने तुरंत प्रभाव से संज्ञान लिया और मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया। डिप्टी स्पीकर के प्रयासों से अब एक करोड़ 14 लाख रुपये की लागत से जयंती देवी पार्क का सौंदर्यकरण होने जा रहा है। यहां फुटपाथ, फव्वारा, रेलिंगए ओपन जिम व योगा प्लेटफार्म बनाने के साथ-साथ पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध होगी। लगभग चार एकड़ में यह पार्क विकसित होगा।
हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जयंती देवी मंदिर जींद की धरोहर है। इसके विकास के लिए उन्होंने प्रयास किया और यह प्रयास रंग लाए हैं। एक करोड़ 14 लाख से जयंती देवी पार्क का सौंदर्यकरण होने जा रहा है। जयंती देवी मंदिर शहर के लोगों की आस्था केंद्र है। यहां पार्क विकसित होने से अधिक लोग आएंगे। इससे बच्चों को भी इस स्थल के बारे में जानकारी मिल सकेगी। वहीं जयंती देवी मंदिर का धार्मिक महत्व है। मान्यता के अनुसार जींद का नाम जयंती देवी से ही पड़ा है। इसे देखने के लिए प्रतिदिन सैंकड़ों लोग आते हैं। मंदिर के साथ पार्क विकसित होगा तो यह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। आसपास के लोगों को भी सुबह-शाम सैर करने के लिए सुविधा मिलेगी।

जींद। पार्क सौंदर्यीकरण का शिलान्यास करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

जींद। बैठक में भाग लेते प्राध्यापक। *फोटो :हरिभूमि*

### पच्चीस टीबी रोगियों को लिया गोद

जींद। राजकीय महाविद्यालय ने टीबी उन्मूलन अभियान में योगदान देने के लिए सराहनीय एवं संवेदनशील पहल की है। महाविद्यालय के विभिन्न स्टाफ सदस्यों ने सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में 25 टीबी रोगियों को गोद लिया है ताकि उन्हें दवाइयों, पौष्टिक भोजन एवं मानसिक सहायता के रूप में सहायता मिल सके। यह कदम राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत समाज के प्रति संस्थान की जिम्मेदारी को दर्शाता है। इस महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में आयोजित आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) की बैठक में की गई। बैठक में आईक्यूएसी समन्वयक सतीश मलिक, सभी विभागाध्यक्ष, एनएसएस व एनसीसी समन्वयक उपस्थित रहे। इस बैठक में छात्रों की शिकायतों के समाधान के लिए बनाए गए तंत्र की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा के बाद अंतिम रूप दिया गया।

## खबर संक्षेप

### विकास के लिए भाजपा ही एकमात्र विकल्पः गर्ग

**पूंडरी।** अग्रवाल युवा सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं मंडी टाउनशिप हुड्डा के पूर्व प्रधान संदीप गर्ग ने सांसद नवीन जिंदल के समर्थन में बयान जारी करते हुए कहा कि आज के समय में अगर कोई पार्टी वास्तव में देश और समाज को आगे ले जा सकती है तो वह भाजपा है। सांसद नवीन जिंदल न केवल एक सफल उद्योगपति हैं, बल्कि एक दूरदर्शी नेता, जनप्रिय व्यक्तित्व और विकास पुरुष के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। नवीन जिंदल जैसे जनसेवक का राजनीति में होना आज की राजनीति को नई गरिमा देता है।

### मोबाइल की लत पर प्रहार चेतावनी पूर्ण नाटिका

**राजौंद।** आदर्श स्कूल जाखौली में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा एक अत्यंत मर्मस्पर्शी नाटिका का मंचन किया गया। जिसका शीर्षक था मोबाइल की लत एक चेतावनी। प्रस्तुति ने दर्शकों को प्रभावित किया व समाज में बढ़ती मोबाइल निर्भरता पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। नाटिका से छात्र छात्राओं ने मोबाइल का अत्यधिक उपयोग न केवल पढ़ाई बल्कि पारिवारिक जीवन का संदेश दिया।

### 20 को 21,000 छात्र लेंगे पॉलिथीन छोड़ने की शपथ

**कैथल।** स्कूली विद्यार्थियों को पॉलिथीन का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करने के कड़ी में राह ग्रुप फाउंडेशन व स्थानीय ईकाई राह क्लब कैथल 20 मई 2025 से क्षेत्र के 100 से अधिक स्कूलों के 21,000 विद्यार्थियों को पॉलिथीन त्यागने की शपथ दिलाएगी। जिसमें विभिन्न स्कूलों में जागरूकता रैली निकालने के साथ-साथ लोगों को पेंटिंग/ड्राइंग,भाषण प्रतियोगिताओं से भी पॉलीथिन का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ग्रुप चेयरमैन नरेश सेलपाड़ व डा. विनोद कुमार ने बताया कि प्रदेश के सबसे बड़े जागरुकता अभियान में ड्राइंग प्रतियोगिता, रैली व नुक्कड़ नाटकों से पॉलीथिन के दुष्प्रभावों के बारे में समझाया जाएगा।

### आरकेएसडी कॉलेज में इंटर्नशिप चयन कार्यक्रम

**कैथल।** आरकेएसडी कॉलेज, कैथल के वाणिज्य विभाग, करियर गाइडेंस सेल, प्लेसमेंट सेल एवं इंटर्नशिप सेल के संयुक्त तत्वावधान के सहयोग से दिनांक 17 मई 2025 को एक विशेष समर इंटर्नशिप चयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी—बारकी (डेवलपमेंट ऑफसर, कुरुक्षेत्र हेड पोस्ट ऑफिस) एवं संजय सोनी (पोस्टमास्टर, कैथल एम.डी.जी.) ने बतौर भाग लिया और छात्रों को डाक सेवाओं की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक अनुभव, और रोजगार के संभावित अवसरों पर प्रेरक संवाद के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया।

### सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में शहर में निकाली तिरंगा यात्रा

# ऑपरेशन सिंदूर ने दिलाया भारत की बहन बेटियों को न्याय : नवीन जिंदल

- हिंदुस्तान जिंदाबाद व सेना जिंदाबाद के नारों व देश भक्ति गीतों से गूंजा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में तथा आमजन में देश भक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों एवं आमजन ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ कुरूक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल ने किया। यात्रा गीता भवन मंदिर से शुरू होकर कमेटी चौक, शहीद स्मारक, पिहोवा चौक सहित अन्य जगहों से गुजरी और लोगों में देश भक्ति का जोश एवं जुनून भर गई। शहीद स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पुष्प वर्षा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारतीय सेना जिंदाबाद के नारों और देश भक्ति गीतों से कैथल शहर गूंज उठा। सांसद नवीन जिंदल स्वयं घोड़े पर सवार होकर यात्रा की अगुवाई की।

**कैथल।** तिरंगा यात्रा में भाग लेती नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग और सांसद नवीन जिंदल

सांसद नवीन जिंदल ने यात्रा का संबोधित करते हुए कहा यह यात्रा भारतीय सेना के सम्मान में निकाली जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया वह काबिल ए तारीफ है। पूरे देश व प्रदेश में सेना के पराक्रम की चर्चा है। यह यात्रा निकाल कर सेना के पराक्रम को प्रणाम किया जा रहा है।

#### राष्ट्र धर्म का संकल्प

कैथल की पावन धरा पर यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि राष्ट्र धर्म पर चलने का एक संकल्प है और इस पर चलने के लिए हम सब संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि जिन आंतकियों ने हमारी बहन बेटियों के माथे का सिंदूर उजाड़ा था, ऑपरेशन सिंदूर ने उन बहन बेटियों को न्याय दिलवाया है। नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की ऐतिहासिक सफलता है। देश के बहादुर सैनिकों ने तीन दिन में ही दुश्मन को घुटने टेकने को विवश कर दिया। ऐसा करके भारतीय सेना ने भारत माता का मस्तक गर्व से ओर ऊंचा कर दिया है। आज लोगों में बहुत जोश है और जन-जन इस यात्रा से जुड़ा हुआ है। सांसद ने सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों एवं आमजन का यात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

#### विश्व पटल पर बजा भारत का डंका

भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने भारत की दृढ़ता और क्षमता का डंका विश्व पटल पर बजाया है। लोगों में देश भक्ति एवं राष्ट्रवाद की भावना को ओर अधिक मजबूत करने के लिए पूरे प्रदेश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ने कहा कि सेना का ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना व देश के स्वाभिमान, शौर्य और नए भारत का संकल्प है। इससे प्रत्येक हिन्दुस्तानी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।

#### ये रहे उपस्थित

यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, हैफेड चेयरमैन कैलाश भगत, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल,राजपाल तंवर, राव सुरेंद्र सिंह, सुरेश गर्ग नौच, आदित्य भारद्वाज, सुरेश संधु,भीम सिंह सैन, सुभाष हजवाना, कृष्ण शर्मा पिलनी, कुशल पाल सैन आदि उपस्थित थे

**कैथल।** कलायत के गांव रामगढ़ पांडवा में आयोजित शिविर में शिक्षकों व विद्यार्थियों से रूबरू एडवोकेट जगजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

## आरोही स्कूल में कानूनी साक्षरता शिविर लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलायत

- गांव रामगढ़ पांडवा में कार्यक्रम

कलायत के गांव रामगढ़ पांडवा स्थित आरोही राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की तरफ से पैनल एडवोकेट जगजीत सिंह ने शिरकत की। एडवोकेट ने एसिड अटैक विक्टिम के लिए स्कीम 2016 के अंतर्गत मिलने वाले कंपनसेशन, एसिड अटैक को रोकने और जागरूकता से जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। इसके पीछे लक्ष्य जघन्य अपराधों का रोकना और नागरिकों को सरकार की नीति अनुसार योजनाओं का लाभ प्रदान करना रहा। उन्होंने कहा कि 2016 की विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के तहत यक्ति कितना प्रतिशत आहत हुआ है इसके आधार पर सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय या घर के बाहर कहीं भी जो छोटी-मोटी बातें घटित होती हैं उन्हें अपने पेरेंट्स के साथ जरूर शेयर करें। विद्यालय प्रधानाचार्य डा.अश्विनी कुमार मंगला और आरोही लीगल क्लब इंचार्ज जितेंद्र राठौर ने बताया कि इस गतिविधि के अंदर विद्यालय के नौंवी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत सभी विद्यालयों के अंदर समय-समय पर इस प्रकार के कैंप आयोजित किए जाते हैं। इसे जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## दिव्यांग बच्चों को वितरित की सहायक किट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूंडरी में आज एक सराहनीय पहल के तहत दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विशेष सहायक किटें वितरित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरधारी लाल शर्मा ने की। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और अभिभावकों की आंखों में कृतज्ञता देखने लायक थी। इन बच्चों को मिली सहायक किटें। ध्रुव पुत्र कपिल : सी.पी. चेयर और रोलेटर, बीना पुत्री अख्तर अली : व्हील चेयर, सुरभि पुत्री शेर सिंहः नी-कैप और रोलेटर, अभिषेक सिंह पुत्र कमवीर : व्हील चयर और रोलेटर, जैनीस पुत्र कर्मवीर : व्हील चेयर।

**कैथल।** दिव्यांग बच्चों को सहायक किट वितरित करते अधिकारी फोटो : हरिभूमि

प्रधानाचार्य गिरधारी लाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांग बच्च भगवान का एक विशेष रूप है। हमें इनके सपनों और जरूरतों को समझते हुए हरसंभव मदद करनी चाहिए, ताकि ये आत्मनिर्भर और खुशहाल जीवन जी सकें। कार्यक्रम में उपस्थित मैडम नीतू और अमित ने अभिभावकों को शारीरिक विकलांगता की परिभाषा और उसके प्रकारों के बारे में बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि अब समाज में यह समझ बढ़ रही है कि 'विकलांग' शब्द के स्थान पर 'भिन्न रूप से सक्षम' जैसे सम्मानजनक शब्दों का उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि सामाजिक समावेश को बढ़ावा मिले। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने पूरे कार्यक्रम में बच्चों की मदद की और उन्हें आत्मीयता से सहयोग दिया। इसके अलावा दिव्यांग बच्चों व उनके परिजनों के लिए जलपान की भी उचित व्यवस्था की गई थी।

### बीए व बीकॉम की छात्राएं हुई शामिल

## कालेज में सेमिनार आयोजित इंटर्नशिप के बारे दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय कलायत में छात्राओं को इंटर्नशिप से अवगत कराने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया । इस सेमिनार में बी ए व बी कॉम चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने भाग लिया । सेमिनार में कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रदीप मुख्य वक्ता रहे । डा प्रदीप ने छात्राओं को बताया की इंटर्नशिप उनके पाठयक्रम का हिस्सा है जिसे द्वितीय या चतुर्थ सेमेस्टर में ग्रीष्मकालीन अवकाश करना अनिवार्य है। इंटर्नशिप 4 से 6 सप्ताह की होगी जो छात्राएं अपनी रुचि के अनुसार किसी भी सरकारी या प्राइवेट संस्थान जैसे स्कूल, कालेज, आई टी आई, कोचिंग सेंटर, ब्यूटी पार्लर , दुकान आदि के अंतर्गत कर सकती हैं । इंटर्नशिप 4 क्रेडिट (100 अंक ) की होगी । डा प्रदीप ने बताया कि 50 अंक उस संस्थान द्वारा दिए जाएँगे जहाँ छात्रा इंटर्नशिप करेगी तथा 50 अंक कॉलेज द्वारा इंटर्नशिप रिपोर्ट के आधार पर दिए जाएँगे । प्राचार्य सुनील गर्ग ने बताया कि छात्राओं की सुविधा के लिए महाविद्यालय में इंटर्नशिप सेल का गठन किया।

**कैथल।** कालेज में छात्राओं को इंटर्नशिप की जानकारी देते प्राध्यापक

पूंडरी नगरपालिका का बाहरी दृश्य।

### पूंडरी नगरपालिका में चेयरपर्सन चुनाव के बाद अब सबकी निगाहें वाईस चेयरमैन पर, कौन मारेगा बाजी

**पूंडरी।** हाल ही में संपन्न हुए पूंडरी नगरपालिका चुनावों में पहली बार चेयरपर्सन पद का सीधा चुनाव हुआ, जिसमें बब्ली गोस्वामी ने शानदार जीत हासिल कर चेयरपर्सन की कुर्सी संभाली। अब नगर की राजनीति में चर्चा का मुख्य विषय यह बन चुका है कि वाईस चेयरमैन कौन बनेगा नगरपालिका में इसको लेकर हलचल तेज हो चुकी है। शहर की गलियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक एक ही सवाल है, अगला वाईस चेयरमैन कौन होगा। सूत्रों की मानें तो कई पार्षद इस पद को पाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक चुके हैं। जोड़-तोड़, गुप्त बैठकों और रणनीतियों का दौर जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वाईस चेयरमैन पद पर वही पहुंचेगा, जिसे सांसद नवीन जिंदल और विधायक सतपाल जांबा का आशीर्वाद प्राप्त होगा। नगर परिषद की राजनीति अब इन 2 प्रभावशाली नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। भले ही चुनाव पार्षदों के वोट से होगा, लेकिन राजनीतिक समीकरण और वरिष्ठ नेताओं का समर्थन ही किसी की किस्मत चमका सकता है। अब देखना ये है कि कौन पार्षदों का विश्वास जीतकर वाईस चेयरमैन की कुर्सी तक पहुंचता है और पूंडरी की राजनीति में अगला बड़ा चेहरा बनता है।

## भाकियू युवा प्रदेशाध्यक्ष ने गोशाला को सौंपी 11 हजार की सहायता राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

भारतीय किसान यूनियन युवा प्रदेश अध्यक्ष राजीव आर्य ने आपने दादा सरपंच चैत राम व मेरे पिता नसीब सिंह की याद में गऊशाला ढांड में अपनी नेक कमाईं से 11000 हजार रुपये गायों की सेवा के लिए दान दिया और आगे भी हर साल गायों की सेवा के लिए इस तरह सहयोग करने का संकल्प लिया। उन्होंने प्रधान ओमप्रकाश ,सीताराम ,लाला शिव कुमार को राशि भेंट की व साथ में बबली शर्मा, कर्ण सिंह, तरसेम मौजूद रहे। राजीव आर्य ने बताया की आज का दिन हमारे लिए खास है। हमने दादा सरपंच चैत राम और मेरे पिता नसीब सिंह की याद में गौशाला में दान किया।

हमने अपनी नेक कमाई मे से 11000 रुपये गायों की सेवा के लिए दान किया हैं। और आगे भी हर साल सहयोग करने का संकल्प लिया और कहा कि सभी को गौ माता की रक्षा के लिए बढ़-चढ़कर दान देना चाहिए चाहे वह दान चाए चारे का हो गेहूं का हो जिससे गौ माता की भरण पोषण हो सके, यही हमारी संस्कृति है, जिसमें हम शिक्षा और सेवा का संकल्प लेते हैं। सीता राम ने कहा कि इस महान कार्य के लिए हम राजीव आर्य व अन्य सभी साथियों का तहदिल से धन्यवाद करते हैं। यह दान न केवल गायों के लिए, बल्कि हमारी संस्कृति की रक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने गो सेवा के लिए सभी को जागरूक किया।

कैथल। भारतीय किसान यूनियन युवा प्रदेश अध्यक्ष राजीव आर्य गोशाला को राशि दान करते हुए फोटो : हरिभूमि

### कसान के स्कूल में छेड़छाड़ और बदमाशी के खिलाफ निःशुल्क कानूनी सहायता शिविर

**कैथल।** पवन कुमार एडवोकेट विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

**कैथल।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश सुभाष मैहला के आदेशानुसार छेड़छाड़ और बदमाशी के खिलाफ एक अभियान के तहत मुफत कानूनी सहायता शिविर का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव कसान में किया गया। इस शिविर में पैनल अधिवक्ता पवन कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं / युवाओं को छेड़छाड़, बदमाशी और धमकी के कानूनी परिणामों और पीड़ितों पर इसके प्रभाव के बारें में बताया गया। इसके साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही कानूनी सहायता टोल फ्री 15100 और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारें में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि विधिक सेवा में महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों, औधोगिक श्रमिकों, आपदा पीड़ितों, दिव्यांग व्यक्तियो, ऐसे व्यक्ति जिनकी सालाना आय तीन लाख से कम हो और अवैध मानव व्यापार के शिकार लोगों के लिए मुफत कानूनी सहायता का प्रावधान किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हैल्पलाईन नंबर 01746-235759 पर किसी भी तरह की कानूनी या सामाजिक समस्या के बारें में भी बात कर सकते हैं।

### शिविर में 500 से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से लिया परामर्श

## कलायत में तीन दिवसीय नशा मुक्ति निःशुल्क मेडिकल शिविर का समापन

- पुलिस ने एक निजी अस्पताल के सहयोग से किया कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कलायत

कलायत में पुलिस व शाह अस्पताल कैथल के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय नशा मुक्ति निःशुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इसमें 500 से अधिक व्यक्तियों ने स्वास्थ्य परामर्श और नशामुक्ति संबंधी सेवाओं का लाभ उठाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कैंप के दौरान शाह अस्पताल कैथल से डॉक्टर एमएस शाह, डॉक्टर आरिफ अब्दुला व डाक्टर संदीप सहित अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों का निशुल्क परीक्षण किया गया और उन्हें उपचार के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया। इसके अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भी रोगियों और उनके परिजनों को परामर्श प्रदान किया ताकि वे नशा छोड़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ सकें और उस पर अमल कर सकें। कैंप दौरान थाना कलायत एसएचओ एसआई जयभगवान, एएसआई ओमप्रकाश व एचसी सुनील की टीम कैंप में आए व्यक्तियों सहित अन्य आमजन को नशे के दुष्प्रभावों बारे बताते हुए नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। इस दौरान डीएसपी ललित कुमार लोगों को प्रेरित किया और कहा की नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह समाज की प्रगति में भी बाधा उत्पन्न करता है। इस तरह के मेडिकल कैंप समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। हम सभी को मिलकर नशा मुक्त समाज की ओर कार्य करना होगा।

कैथल। तीन दिवसीय नशा मुक्ति नि :शुल्क मेडिकल कैंप

#### युवा नशे से रहें दूर

डीएसपी ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन ऐसे प्रयासों को आगे भी निरंतर सहयोग देता रहेगा। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवी संगठनों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज की।

## ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को समर्पित तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पूंडरी

भाजपा के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व विधायक चौ. तेजवीर ने तिरंगे की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तिरंगा भारत माता की आन, बान और शान है । देश की 145 करोड़ जनता इसके लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को सदैव तैयार है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र लोकसभा के लोकप्रिय सांसद नवीन जिंदल के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संस्थाओं और पूर्व सैनिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को समर्पित है। तेजवीर सिंह ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट नीति अपनाई है और अब किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध की श्रेणी में माना जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूती की सराहना करते हुए कहा कि हमारी सेना अब किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। हाल ही में आतंकवादियों के ठिकानों को कुछ ही घंटों में ध्वस्त कर भारतीय सेना ने अपनी शक्ति का परिचय दिया है।उन्होंने यह भी बताया कि जिला और हल्का स्तर पर तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनसैलाब उमड़ रहा है। यह भारतवासियों की देशभक्ति और तिरंगे के प्रति श्रद्धा को दर्शाता है।

**कैथल।** पूंडरी में तिरंगा यात्रा में भाग लेने जाते हुए तेजवीर सिंह व अन्य।

## खबर संक्षेप

### 1.75 किलोग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

जींद। डिटेक्टिव स्टाफ ने गांव मांडो खुर्द तथा खोखरी के बीच खेत में बनी झोपड़ी के बाहर एक व्यक्ति को काबू कर 1. 75 किलोग्राम चरस बरामद की है। आरोपित उसे बेचने के लिए ग्राहकों का इतंजार कर रहा था। डिटेक्टिव स्टाफ को सूचना मिली थी कि मांडो खेड़ी निवासी सुभाष उर्फ बोस नशीले पदार्थों का कारोबार करता है।

### नशा तस्कर काबू, 504 ग्राम डोडा पोस्त बरामद

कैथल। एक तरफ जहां पर एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा नशा ना करने बारे आमजन को जागरूक किया जा रहा है, वहीं पर पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी मुहिम तहत थाना सीवन पुलिस द्वारा थाना सीवन क्षेत्र से एक नशा तस्कर को 504 ग्राम डोडा पोस्त सहित काबू कर लिया गया।

### हमला-तोड़फोड़ करने आठ पर मामला दर्ज

जींद। विश्वकर्मा कालोनी में घर में घुस कर हमला करने व तोड़फोड़ करने पर शहर थाना पुलिस ने चार लोगों को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विश्वकर्मा कालोनी निवासी रामबिलास ने शिकायत में बताया कि अपने घर मे मौजूद था। उसी दौरान कुश, लाली समेत आठ लोग दरवाजा तोड़ कर उसके घर में घुस आए और हमला कर दिया।

### गांजा फूल पत्ती सप्लाई करने वाला आरोपी काबू

कैथल। एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार शिकंजा कसते एंटी नारकोटिक सेल पुलिस के एसआई जोगिंद्र सिंह की टीम ने गांजा फूल पत्ती सप्लायर आरोपी कलायत निवासी राजेश को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 3 मई को एंटी नारकोटिक सेल के एसआई बलराज सिंह की टीम ने नाकाबंदी कर आरोपी खरक पांडवा निवासी सोनू को काबू किया गया था।

### महिला पर हमला करने पर छह पर मामला दर्ज

जींद। गांव जामनी में खेत की जुताई करने गई महिला पर हमला करने तथा ट्रैक्टर की चाबी छीनने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने छह लोगों को नामजद कर कुछ अन्य खिलाफ मामला दर्ज किया है। गुरूग्राम निवासी सुनीता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव जामनी में अपनी जमीन की जुताई करवाने आई हुई थी। उसने ट्रैक्टर को किराये पर लिया था।

### 22617 विद्यार्थी पॉलिथीन त्यागने की शपथ लेंगे

जींद। स्कूली विद्यार्थियों को पॉलिथीन का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करने के कड़ी में राह क्लब नरवाना, नप नरवाना व शहरी शिक्षा समिति नरवाना के संयुक्त तत्वावधान में नरवाना क्षेत्र के 42 से अधिक स्कूलों के 22,617 विद्यार्थियों को पॉलिथीन त्यागने की शपथ दिलाई जाएगी। पॉलीथिन का उपयोग न करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

### भीड़ का फायदा उठा जेब से नकदी -दस्तावेज चोरी

जींद। उचाना मंडी में परशुराम जयंती कार्यक्रम में शामिल होने आए व्यक्ति की जेब से किसी व्यक्ति ने दस हजार रुपये की नगदी व दस्तावेज चोरी कर लिए। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव उचाना कलां निवासी रामदिया ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है।

### हिंदू मेरिज एक्ट में संशोधन को लेकर महापंचायत आज

जींद। जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र में 18 मई को महापंचायत आयोजित होगी। सर्व जातीय खाप, तपा प्रतिनिधियों, धार्मिक संगठनों के प्रधान, सभी धर्मशालाओं के प्रधान, सभाओं के प्रधान को महापंचायत में आने का निमंत्रण दिया गया है। यह जानकारी देते हुए जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद ने बताया कि महापंचायत में सरकार से हिंदू मेरिज एक्ट 1955 में संशोधनए सम गोत्र में शादी की मान्यता रद्द करनेए लिव इन रिलेशन में रहने के कानून में बदलावए समलैंगिक विवाह की मान्यता को रद्द करना महापंचायत में मुख्य बिंदू होंगे।

---

### रोहिला स्कूल जुलाना के दसवीं कक्षा में हरियाणा राज्य टॉप-20 में चार विद्यार्थी

# विनीत ने 486 अंक प्राप्त कर चमकाया स्कूल का नाम

### सुमित ने 500 में से 483 अंक लेकर प्रदेश में पंद्रहवां स्थान पाया, कीर्ति ने 500 में से 482 अंक प्राप्त किए

चिराग ने 500 में से 481 अंक प्राप्त कर प्रदेश में सतरहवां स्थान अपने नाम किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को घोषित दसवीं कक्षा के वार्षिक परिणाम में रोहिला स्कूल, जुलाना के छात्रों ने इस बार फिर से हरियाणा प्रदेश में अपना परचम लहराया है। यहां के चार विद्यार्थियों ने हरियाणा राज्य टॉप-20 में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। विद्यालय आफिस से मिली जानकारी अनुसार छात्र विनीत आर्य ने 500 में से 486 (97.2)प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेशभर में बारहवां स्थान प्राप्त किया है। विनीत ने शारीरिक शिक्षा में 100, साईंस व सामाजिक में 98-98 एवं अग्रेंजी में 96 अंक प्राप्त किए। वहीं सुमित ने 500 में से 483 लगभग 97 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में पंद्रहवां स्थान प्राप्त किया है। सुमित पुत्र नवीन शर्मा लिजवाना कलां का निवासी है। उसने शारीरिक शिक्षा में 100, अंग्रेजी में 98, साइंस में 97 एवं सामाजिक में 96 सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। उधर छात्रा कीर्ति दलाल ने 500 में से 482 (96.4) फीसदी अंक प्राप्त कर राज्य में सोलहवां स्थान हासिल किया है। इस छात्रा के साईंस -99, शारीरिक शिक्षा 98, सामाजिक 97 एवं हिन्दी 96 सर्वाधिक अंक रहे। वहीं छात्र चिराग ने 500 में से 481 (96.2) प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में सतरहवां स्थान अपने नाम किया। मुख्याध्यापिका निर्मल रोहिला ने रिजल्ट घोषणा के अवसर पर अभिभावकगण, विद्यालय स्टाफ एवं छात्रों को बधाई दी।

जुलाना। खुशी व्यक्त करते छात्र। फोटो :हरिभूमि

कैथल। सरस्वती स्कूल सेगा के अव्वल विद्यार्थी स्कूल पदाधिकारियों के साथ।

जींद। सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ। फोटो :हरिभूमि

#### सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थी छाए

जींद। न्यू हांसी रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा दसवीं बोर्ड की परीक्षा में अपार सफलता हासिल की गई। विद्यालय प्रशासक सुनील शांडिल्य ने छात्रों, स्टाफ, अभिभावकों को बधाई दी। प्रथम स्थान अंशु 492 (98.4 प्रतिशत) अंक, द्वितीय स्थान चारवी 467 अंक तृतीय स्थान कोमल 465 अंक और 14 बच्चों ने मेरिट हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रधानाचार्या रेखा शांडिल्य ने भी अपने सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की भूरिभूरि प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों एवं समस्त सरस्वती परिवार को अपनी शुभकामनाएं दी।

#### महक ने स्कूल में पाया प्रथम स्थान

कलायत। कलायत के गांव रामगढ़ पांडवा स्थित आरोही राजकीय माडल स्कूल ने दसवीं कक्षा बोर्ड परिणाम में शानदान प्रर्दशन किया है। प्रधानाचार्य डा.अश्वनी मंगला ने बताया कि घोषित परिणाम में छात्राएं खूब छाई रही। इसमें छात्रा महक 492 अंक लेकर स्कूल में पहले स्थान पर रही। 486 अंकों से दूसरा स्थान सपना और आंशु ने 483 अंकों से तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल के कुल 40 विद्यार्थियों ने दसवीं कक्षा की परीक्षा दी थी। परिणाम शत प्रतिशत रहा। इसमें 8 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक, 19 से 80-90 प्रतिशत, 10 ने 70 से 80 व 2 ने 60 से 70 प्रतिशत अंकों से परीक्षा पास की। इस तरह विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों ने 95 से लेकर शत प्रतिशत तक अव्वल प्रदर्शन किया।

राजौंद। स्कूल विद्यार्थियों के साथ स्टाफ सदस्य । फोटो :हरिभूमि

#### सरस्वती स्कूल का परिणाम शत-प्रतिशत

कैथल। सरस्वती पब्लिक स्कूल सेगा का दसवीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। इस पर स्कूल संचालकों व अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को मिठाई खिलाई गई तथा ढोल की थाप पर थिरककर जश्न मनाया। जानकारी देते हुए स्कूल के एमडी मेहर सिंह चहल व प्रधानाचार्या रूबी राणा ने बताया कि स्कूल के 39 विद्यार्थियों में से 26 ने फर्स्ट डिवीजन तथा 13 ने सैकेंड डिविजन हासिल की। इसके साथ ही स्कूल के छात्र अश्विनी पतड ने 490 अंक लेकर हरियाणा में आठवां रैंक व रिया रानी ने 489 अंकों के साथ हरियाणा में 9वां रैंक प्राप्त किया। सेजल ने 485 व आदित्य चहल ने भी 485 अंक प्राप्त किए। सुहानी ने 479, शीतल ने 477,पायल ने 476, स्नेहा ने 475, महक ने 468, अभिनव ने 467, महक पूनिया ने 462 और जिया ने 461 अंक प्राप्त कर स्कूल व जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल के एमडी मेहर सिंह चहल व प्रिंसिपल रूबी राणा ने सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार से कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

#### गौरव स्कूल का परिणाम शानदार

राजौंद। गांव रोहेड़ा के गौरव स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। जानकारी देते स्कूल प्रधानाचार्य दर्शन सिंह मौण ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में स्कूल की छात्रा अक्षिता ने 475 अंक 95% प्राप्त किए अंजलि 472 अंक 94.4 प्रतिशत व निधि 471 अंक 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत से 95 प्रतिशत के बीच में अंक प्राप्त करने वाले 60 प्रतिशत विद्यार्थी व शेष विद्यार्थियों ने 64.6 प्रतिशत से 76.8 % के बीच अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बताया कि विद्यालय ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर अपना स्थान अर्जित करता आ रहा है।

राजौंद। विजेता टीम के साथ स्कूल स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

#### फुटबॉल प्रतियोगिता में इंटरनेशनल स्कूल अव्वल

राजौंद। राजौंद पूंडरी मार्ग पर स्थित एसडीएम इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने फुटबॉल प्रतियोगिता में जिला स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। इस बारे जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि एसडीएम इंटरनेशनल स्कूल की फुटबॉल टीम ने कैथल में आयोजित प्री सुबोतों फुटबॉल प्रतियोगिता में टीम ने तीसरे स्थान प्राप्त किया है। स्कूल पहुंचने पर विद्यार्थियों का जोरदार स्वागत किया गया व फूल मालाओं से उनका सम्मान किया गया। स्कूल प्राचार्य संजीव कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगामी खेल प्रतियोगिता मैं इससे भी अच्छा प्रदर्शन करके स्कूल का नाम रोशन करें,इसके लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

### डीएन मॉडल स्कूल का परिणाम शानदार रहा

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा दसवीं कक्षा का बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित किया। जिसमें डीएन मॉडल स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के छात्र सक्षम सुपुत्र प्रदीप ने 500 में से 489 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल की छात्रा साक्षी व स्माइल ने 486 अंकों के साथ स्कूल में दूसरा, महक, राखी ने 474 अंकों के साथ तीसरा, लक्ष्मी, नियति, तानिया ने 473 अंकों के साथ चौथा और अन्नू ने 469 अंकों के साथ पांचवा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्राचार्या राज रेदू ने बताया की विद्यालय के कुल 83 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिसमें से 22 बच्चों ने 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए और 40 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करके शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों ने गणित, हिंदी, सामाजिक विज्ञान व संगीत विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

# मोतीलाल स्कूल में 10वीं व 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया

- पायल को स्कूटी,केतन को आईपेड टैबलेट व एक लाख स्कॉलरशिप दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें विद्यालय के 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संदीप दहिया, प्राचार्य रविंद्र कुमार, प्रशासक वीपी शर्मा और अभिभावकगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। दसवीं कक्षा के छात्र केतन ने 98.2% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को विद्यालय प्रबंधन द्वारा आईपेड एवं एक लाख की छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया और 12वीं कक्षा में मेडिकल स्ट्रीम में 94.6 % अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा पायल को विद्यालय प्रबंधन की ओर से विशेष पुरस्कार स्वरूप स्कूटी, फूलों की माला एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के मंच पर जब दोनों छात्रों को सम्मानित किया गया तो पूरा प्रांगण तालिया के गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। यह सम्मान सिर्फ छात्रों की मेहनत का परिणाम ही नहीं बल्कि उनके अभिभावकों के समर्पण एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का भी प्रतीक था। कक्षा द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को फूलों की माला व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों के अभिभावकों को भी मंच पर आमंत्रित कर उनका आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय ने यह स्पष्ट किया कि छात्रों की सफलता में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

जींद। छात्रा पायल को स्कूटी देकर सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

# महिला ने जहर निगल की आत्महत्या तीन साल पहले लव मैरिज की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव करसोला में महिला ने संदिग्ध हालात के चलते जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। मृतका ने लगभग तीन साल पहले लव मैरिज की थी। जुलाना थाना पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर मृतका के पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव करसोला निवासी सुनील की पत्नी निशा (23) ने गत दिवस शाम को संदिग्ध हालात के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिसे पहले जुलाना सीएचसी तथा बाद में हालात खराब होने पर रोहतक के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां पर शनिवार को उपचार के दौरान निशा की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस तथा मृतका का मायका पक्ष रोहतक पहुंच गए और हालातों का जायजा लिया। मृतका के भाई गांव सालवन करनाल निवासी साहिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन निशा ने लगभग तीन साल पहले सुनील से लव मैरिज की थी। दोनों को लगभग डेढ़ साल का लड़का भी है।

# डिप्टी स्पीकर ने पीड़ितों को सहायता राशि सौंपी

- एचएसवीपीएन अधिकारियों ने अतिक्रमण के नाम पर उजाड़े गए थे गरीबों के धंधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण अभियान के दौरान पालिका बाजार के साथ लगती दीवानखाना मार्केट में गरीबों के धंधे उजाड़ने के बाद हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने पीड़ितों से बातचीत की। उन्होंने पीड़ितों को हुए नुकसान का मुआवजा भी अपनी तरफ से दिया और भविष्य में इस तरह की कार्रवाई फिर से न होने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि तीन दिन पहले पालिका बाजार के साथ लगती दीवानखाना मार्केट में अतिक्रमण को लेकर एचएसवीपी के पास स्थानीय दुकानदारों की तरफ से शिकायत गई हुई थी। जिसमें अवैध टैक्सी स्टैंड को लेकर भी मुद्दा उठाया गया था। बुधवार को एचएसवीपी जेई अमित स्टाफ के साथ अतिक्रमण हटाने के लिए मार्केट में पहुंचे। जेसीबी से मार्केट में रखे कंटेनर व खोखे हटाए गए। वहीं तख्त व फड़ पर सामान रख कर बेचने वालों को भी वहां से हटाया गया था।

जींद। पीड़ितों को सहायता राशि के चैक वितरित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

# कुत्ता प्रशिक्षण के नाम पर जेल विभाग से 1.33 लाख हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जेल विभाग से दो लाख 33 हजार 500 रुपये की वसूली के बाद प्रशिक्षण के लिए भेजे गए कुत्तों को वापस न भेजने पर सिविल लाइन थाना पुलिस प्रशिक्षण फर्म के निदेशक तथा फर्म के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जेल उपाधीक्षक सुरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो जनवरी 2020 को पंजाब होम गाड्र्स कैनाइन प्रशिक्षण और प्रजनन संस्थान से हरियाणा की नौ जेलों के लिए 23 कुत्ते खरीदने का निर्णय लिया था। जिनका उपयोग जेल में नारकोटिक्स और सेल फोन की तलाशी के लिए किया जाना था। जेल विभाग को 13 कुत्ते मिल गए। विभाग ने सवा दो लाख रुपये प्रति कुत्ते की दर से कुल 29 लाख 25 हजार रुपये का भुगतान कर दिया था। दो कुत्तों के लिए पांच साल की अवधि के लिए 8500 रुपये प्रति माह के हिसाब से फीड और चिकित्सा व्यय का भुगतान भी कर दिया गया।

---

**सुविधा** नए भवन मे धीरे-धीरे शिफ्ट होंगे अन्य कार्यालय

# रेलवे जंक्शन के नए भवन में टिकट बुकिंग का काम प्रारंभ

नए भवन में यात्रियों के लिए परिसर में बड़ा वेटिंग हॉल बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रेलवे जंक्शन के नए भवन में टिकट बुकिंग का काम शुरू हो गया है। अब अन्य कार्यालय भी धीरे-धीरे शिफ्ट हो जाएंगे। हालांकि नए भवन का काम 90 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। ऐसे में रेलवे ने कार्यालयों को भी शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। शनिवार सुबह रेलवे ने पुराने भवन से नए भवन में टिकट बुकिंग कार्यालय का शुभारंभ कर दिया। सुबह से ही पूरा दिन टिकट देने और आरक्षित करने का काम नए भवन से ही हुआ। अब अन्य कार्यालय भी शिफ्ट किए जाएंगे। नए भवन में यात्रियों के लिए परिसर में बड़ा वेटिंग हॉल बन गया। इसके अलावा रिफ्रेशमेंट रूम और कर्मचारियों को आराम करने के लिए भी कमरों का निर्माण हो गया है। धूप और बारिश से बचने के लिए यात्रियों को शेड की सुविधा भी दी जा रही है। फेज 2 में पार्क, सड़क और पार्किंग का कार्य शुरू होगा। वहीं प्लेटफार्म के नवीनीकरण, शेड का निर्माण कार्य ने भी जोर पकड़ा हुआ है। वहीं प्लेटफार्म को ऊंचा उठाने का निर्माण चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अगस्त 2023 में रेलवे जंक्शन जींद के नवीनीकरण का काम शुरू हुआ था। नवीनीकरण के काम पर करीब 25 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। जंक्शन का नया भवन शानदार और सुविधाओं से लैस हैं। जंक्शन पर 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज का निर्माण चल रहा है। साथ ही प्लेटफार्म पर छह स्वचालित सीढिय़ां और चार लिफ्ट लगाई जा रही हैं।

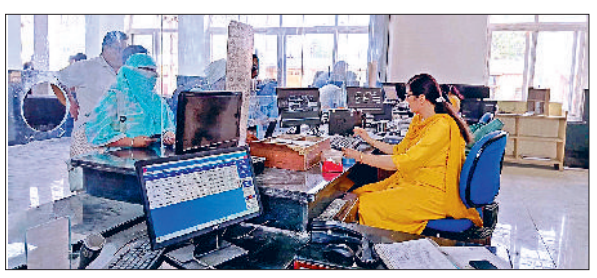

जींद। टिकट बुकिंग में जुटी कर्मी। फोटो :हरिभूमि

#### बुकिंग कार्यालय नए भवन में शिफ्ट

रेलवे वाणिज्य अधीक्षक सुनील कटारिया ने बताया कि रेलवे जंक्शन के नए भवन में टिकट बुकिंग का कार्य शुरू हो गया है। बुकिंग कार्यालय को नए भवन में शिफ्ट कर दिया है। इससे पहले पुराने भवन में कार्य चल रहा था।

पूर्व सैनिक समसपुर के लाल शहीद हवलदार मनोज कुमार को श्रद्धांजलि देते।

#### शहीद मनोज को दी श्रद्धांजलि

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो का प्रतिनिधि मंडल समसपुर जिला दादरी प्रातः 7:30 बजे पहुंचा। समसपुर के लाल शहीद हवलदार मनोज कुमार फोगाट के पार्थिक शरीर को समसपुर 152डी के टोल प्लाजा पर पहुंचने पर गांव, शहर,आसपास के गांव से लोगों के हजूम हजारों की संख्या में पहुंचे थे और साथ ही शहीद की रेंजिमेंट द्वितीय मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री रेजीमेंट के पूर्व सैनिक सैकड़ो की संख्या में अपने शहीद के लिए पलके बिछाए टोल प्लाजा पर खड़े थे। टोल प्लाजा से उनके घर तक तिरंगा लेकर मोटरसाइकिल व गाड़ियों के झुंडों के साथ भारत माता की जय शहीद मनोज कुमार अमर रहे के गगनभेदी नारों से आकाश गुनज रहा था,वहां पर उनके अपने लाल के पार्थिक शरीर का स्वागत किया गया। घर पर सभी रसमें पूरी करने के बाद उनके पार्थिव शरीर को सैन्य गाड़ी में रख कर अन्तिम यात्रा शुरू हुई।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025


कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

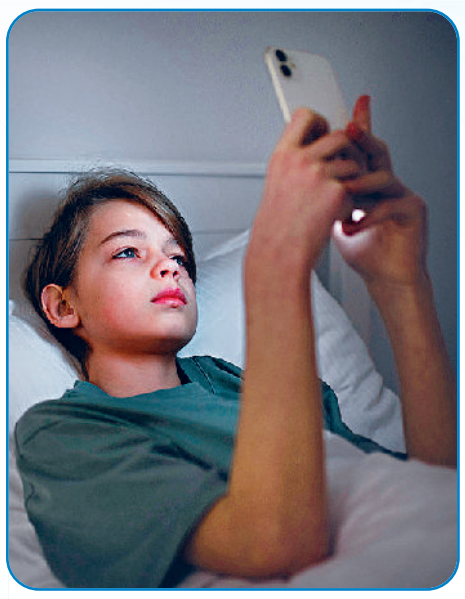

# डिजिटल डिवाइसेस की लत
# उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

### नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

### दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

### हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

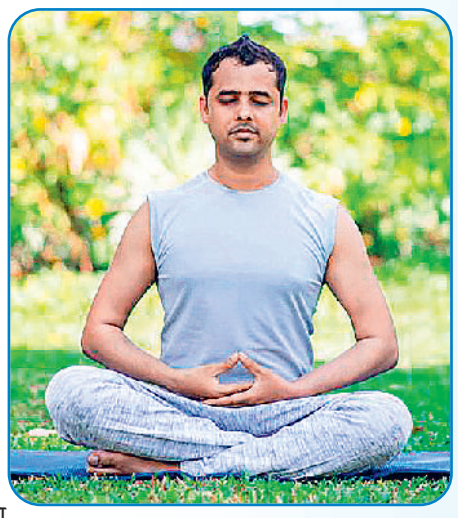

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

### डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

### खुद करें हैबिट कंट्रोल

**आवश्यकता से** अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

## सोशल मीडिया पर बढ़ रही
# प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

**वजहें हैं कई:** अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

**लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स:** लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

**डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस:** मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

**मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार:** सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

**उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड:** इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

## ...जो होना था

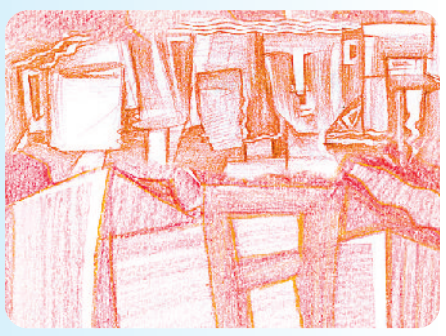

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

# चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

### कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

# ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

### म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

### वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

### सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

### म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

### इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

### द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

# क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

**बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट:** एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

**ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू:** 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

**पूर्वाग्रहों से बचिए:** कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

**फालतू चीजों को हटाएं:** लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

## ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

# ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

**तड़के वाली चाय, अमृतसर:** पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

**गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख:** गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

**बिरयानी चाय, आगरा:** आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

**गुलाबी चाय, लखनऊ:** इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

**लेबू चाय, कोलकाता:** इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

**तंदूरी चाय, दिल्ली:** पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

# भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

### शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

### ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

### प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

### हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

### नायक भी बने खलनायक

**कई ऐसी** साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

### ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

### पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

**ऐसी बात** नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।